आज़मी के नाम पर आज़मगढ़ रेलवे स्टेशन का नाम रखे जाने की मांग कर रहा हूं। अतः मेरा आग्रह है कि पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत आने वाले आजमगढ़ रेलवे स्टेशन का नाम महान शायर कैफ़ी आज़मी के नाम पर रखे जाने का विचार करें।

Demand for enforcement of the rights of Transgenders

PROF. M. V. RAJEEV GOWDA (Karnataka): Sir, Homophobia manifests in the form of discrimination, bigotry and humiliation at public places and even in personal conversations. It is deep-rooted in cultural and social biases. Our House took the lead in passing a private Member's Bill, the Right to Transgenders Bill, 2014 at the initiative of Shri Tiruchi Siva, with an intent to ensuring equal rights and opportunities to persons identifying themselves differently from the conventional binary genders of male and female. In spite of this, we see continuing incidents of mental harassment at the workplace or social discrimination in public life.

Recently, the first transgender to secure a reputed job at a multinational company in Kerala, had to shuttle between hotels for weeks, as she was not able to rent an apartment because she was not a 'preferable' tenant. There are newspaper reports about Air India denying a cabin crew job to a trans person. In the Kochi Metro, 12 out of 23 transgenders have quit their jobs. On the issue of inclusion, I would bring to your notice that private and public institutes in India, and most public offices do not provide for a gender option other than male and female in application forms.

I, therefore, urge the Government to enforce in spirit the Bill that we passed in this House by setting up grievance councils for transgenders at workplaces and ensuring that application forms across the country are suitably modified to accommodate them. Thank you.

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with the Special Mention submission made by Prof. M. V. Rajeev Gowda.

SHRI D. RAJA: Sir, I also associate myself with the Special Mention submission made by Prof. M. V. Rajeev Gowda.

SHRI R. S. BHARATHI (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the Special Mention submission made by Prof. M. V. Rajeev Gowda.

SHRI P. L. PUNIA: Sir, I also associate myself with the Special Mention submission made by Prof. M. V. Rajeev Gowda.

PROF. MANOJ KUMAR JHA: Sir, I associate myself with the Special Mention submission made by Prof. M. V. Rajeev Gowda.

श्री सभापतिः जो लोग एसोसिएट कर रहे हैं, उनसे मेरा आग्रह है कि इतने सारे लोगों का नाम यहां नोट करना संभव नहीं है। आप अपने नाम की स्लिप भेज दें। उसके बाद वह automatically रिकॉर्ड में भी आ जाएगा।

MATTERS RAISED WITH PERMISSION — *Contd.*

Rehabilitation of farmers affected by land acquisition for Lara Power Project in Chhattisgarh

श्रीमती छाया वर्माः सर, धन्यवाद। छत्तीसगढ़ राज्य में रायगढ़ जिला के अंतर्गत लारा-पुसौर में औद्योगिक इकाई लारा सुपर पावर प्रोजेक्ट-एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा स्थापित की जा रही है। इस प्रयोजन हेतु बड़े पैमाने पर किसानों की जमीन अधिग्रहीत की गई है। इस अधिग्रहण के अंतर्गत भूमि अधिग्रहण कानून का घोर उल्लंघन हो रहा है। किसानों को पुनर्वास नीति 2005 के तहत पुनर्वास की उचित व्यवस्था करने के बजाय राज्य सरकार स्वयं की पुनर्वास की नीति प्रभावितों पर थोप रही है। यही नहीं, स्थापित संयंत्र में किसानों को रोज़गार भी नहीं दिया जा रहा है। किसान दर-दर भटकने के लिए बाध्य हैं। किसानों की जमीन अधिग्रहीत हो जाने पर वे उस जमीन पर कृषि नहीं कर पा रहे हैं। मान्यवर, किसानों का परिवार भुखमरी का शिकार हो रहा है, उसकी कहीं भी सुनवाई नहीं हो रही है। इस क्षेत्र में छत्तीसगढ़ सरकार के रवैये से किसान आंदोलित हो रहे हैं और उनकी जायज मांगों पर ग़ौर करने की आवश्यकता है। यह मामला वर्ष 2007 से अनवरत चल रहा है। किसान लगातार सरकार की उपेक्षा के शिकार हो रहे हैं। महोदय, आप जानते हैं कि छत्तीसगढ़ में सबसे ज्यादा नक्सलवाद है। किसानों की कहीं भी सुनवाई नहीं हो पा रही है। किसान अपनी समस्याओं के समाधान के लिए कहीं गलत रास्ता न चुन लें। मेरी मांग है कि लारा-पुसौर औद्योगिक इकाई लारा सुपर पावर प्रोजेक्ट एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा होने वाले संयंत्र में किसानों को उनकी जमीन के ब्याज दर का भुगतान किया जाए और किसानों के बेरोजगार युवओं को इस संयंत्र में रोजगार दिया जाए। धन्यवाद।

SHRI PRATAP KESHARI DEB (Odisha): Sir, I associate myself with the Zero Hour submission made by Shrimati Chhaya Verma.

SHRIMATI JHARNA DAS BAIDYA: Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shrimati Chhaya Verma.

SHRI ANUBHAV MOHANTY (Odisha): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shrimati Chhaya Verma.

श्री सभापतिः मित्रों, आज हम 16 Zero Hour Submissions और 10 Special Mentions पूरे कर पाए, हम उस हिसाब से पूरा टाइम एडजस्ट कर रहे हैं। आगे आप लोगों के सहयोग और ज्यादा लोगों को अपना वक्तव्य देने के लिए, जो डेरेक जी ने बताया, मैं उस पर अध्ययन कर रहा हूं। अध्ययन करने के बाद उसका क्या करना है, वह देखेंगे।